शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

शुक्रवार 29 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 27 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

पूर्व राज्यसभा सदस्य शांतनु सेन ने पार्टी से इस्तीफा दिया

कोलकाता। पूर्व राज्यसभा सांसद शांतनु सेन ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी के भीतर चल रहे विवाद, खासकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर पार्टी के रुख की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों में मिली हार 'अनैतिक कार्यों' को नकारने का परिणाम है। पार्टी ने कर दिया था निलंबित पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जनवरी 2025 में शांतनु सेन को पार्टी से निलंबित कर दिया था। उन्हें आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की घटना को लेकर पार्टी के खिलाफ मुखर होने और अनुशासनहीनता के आरोप में बाहर का रास्ता दिखाया गया था।

केरल के अम्यूजमेंट पार्क में राइड गिरी, 5 लोग घायल

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम के पास एक अम्यूजमेंट पार्क में गुरुवार को राइड (झूला) गिर गई। घटना में 5 लोग घायल हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हर राज्य में एक ही इमरजेंसी नंबर होगा

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन महीने में '112' इमरजेंसी हेल्पलाइन पूरी तरह लागू करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रॉमा केयर का अधिकार भी नागरिकों के जीने के अधिकार का हिस्सा है। साथ ही गुड समैरिटन शिकायत निवारण व्यवस्था शुरू करने को भी कहा गया है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और एएस चंदूरकर की बेंच ने यह आदेश सेव लाइफ फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने कहा कि हादसे के बाद इलाज में देरी होने पर मरीज के बचने की संभावना कम होती जाती है। इसलिए इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम मजबूत होना जरूरी है। कोर्ट ने राज्यों को नियमित समीक्षा बैठकें करने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

कर्नाटक सीएम का इस्तीफा

बोले- आलाकमान ने जो कहा, मैंने किया ; मंत्री बोले- डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री होंगे

राष्ट्रबाण | बेंगलुरु | एजेंसी | rashtrabaan.in

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मैंने पहले ही कहा था कि हाईकमान जब कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। कल हाईकमान ने कहा और आज मैंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बताया कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सचिव को इस्तीफा सौंपा है। गहलोत फिलहाल पारिवारिक कारणों से बेंगलुरु से बाहर हैं। इसके बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है। शुक्रवार को विधायक दल की बैठक में इसका ऐलान किया जा सकता है।

सिद्धारमैया का हटना रोटेशनल सीएम फॉर्मूला के तहत माना जा रहा है। इससे पहले सिद्धारमैया ने अपने घर पर मंत्रियों के साथ बैठक की और फैसले की जानकारी दी। बैठक के दौरान डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, जिसके बाद दोनों गले मिले।

नवंबर 2025 में फिर शुरू हुई खींचतान, लेकिन शिवकुमार मान गए

नवंबर 2025 में सिद्धारमैया सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद फिर से शिवकुमार को रोटेशन फॉर्मूला के तहत सीएम बनाने की मांग उठने लगीं। फिर दिल्ली में आलाकमान के साथ कई दौर की बैठकें हुई। हालांकि दोनों ही नेताओं ने खुलकर इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोले। 21 नवंबर 2025 को शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से यह बात मान ली थी कि सिद्धारमैया पूरे 5 साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे। आलाकमान ने क्यों फैसला लिया सिद्धारमैया सरकार वाल्मीकि डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन घोटाला जैसे मामलों में घिर चुकी है। पार्टी हाईकमान का मानना है कि समय रहते नेतृत्व बदलने से मंत्रियों के खिलाफ पैदा हो रही 'एंटी-इंकम्बेंसी' को खत्म किया जा सकता है।

सिद्धारमैया 3 साल पहले रोटेशनल फॉर्मूला से बने थे सीएम

सीएम सिद्धारमैया ने डीके शिवकुमार को गले लगाया।

कर्नाटक विधानसभा के रिजल्ट 13 मई, 2023 को आए थे। कांग्रेस ने एएचआईएनडीए फॉर्मूले के दम पर चुनाव जीता था। एएचआईएनडीए का मतलब है, ए - अल्पसंख्यक, एचआईएन - हिंदुलिदा (पिछड़े वर्ग), डीए - दलित। सिद्धारमैया खुद ओबीसी की कुरुबा जाति से आते हैं, इसलिए पिछड़े वर्ग का बड़ा समर्थन कांग्रेस के साथ रहा। सिद्धारमैया ने 135 विधायकों में से 90 का समर्थन का दावा किया था। वहीं, डीके शिवकुमार का दावा था कि उसने पार्टी को मुश्किल दौर से बाहर निकाला। इसके लिए उन्होंने मेहनत की। इसमें लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय ने साथ दिया। दोनों के अ ड़े रहने की वजह से कांग्रेस आलाकमान को मुख्यमंत्री तय करने में 7 दिन लग गए थे। शपथ 20 मई को हो पाई। इस बीच खबरें आईं कि दिल्ली में कई दौर की बैठकों के बाद दोनों के बीच 'ढाई-ढाई साल के सीएम' फॉर्मूले पर सहमति बनी। हालांकि कांग्रेस ने इसे आधिकारिक रूप से कभी नहीं माना।

कर्नाटक फैरबदल से जुड़े दो अपडेट्स

1. सिद्धारमैया ने कहा- हाईकमान ने मुझे राज्यसभा जाने के लिए कहा था, लेकिन मैंने मना कर दिया। मेरी राष्ट्रीय राजनीति में कोई रुचि नहीं है। मैं सक्रिय राजनीति में बना रहूंगा।
2. सिद्धारमैया इस्तीफा देने के बाद दिल्ली रवाना हो गए। वहां वे कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात करेंगे।

आगे क्या होगा: डीके मंत्रिमंडल में वोक्कालिगा प्रभाव दिखेगा

डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद दक्षिण कर्नाटक और वोक्कालिगा नेताओं का प्रभाव बढ़ सकता है।
मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना है। 35 मंत्रियों में से करीब 25 हटाए जा सकते हैं। 15 से 20 नए मंत्री शामिल किए जा सकते हैं।
दो डिप्टी सीएम संभव हैं। पार्टी ओबीसी या दलित चेहरे को डिप्टी सीएम बना सकती है।
कांग्रेस अब कुरुबा, दलित और मुस्लिम नेताओं को ज्यादा प्रतिनिधित्व देकर संतुलन बनाए रखने की कोशिश करेगी।
साथ ही लिंगायत नेताओं को भी अहम जिम्मेदारी देकर बीजेपी के वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति बन सकती है।

सिद्धारमैया कैबिनेट में सबसे ज्यादा 10 मंत्री लिंगायत समुदाय के

सिद्धारमैया कैबिनेट में 34 मंत्री हैं। इनमें 3 कुरबा, 4 वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय के सबसे ज्यादा 10 मंत्री हैं। इसके अलावा स्ट समुदाय के 6, स्ञ के 3, मुस्लिम समुदाय से 2 और अन्य समुदाय के 6 मंत्री हैं।

सीबीआई ने रिटायर्ड जज सास को गिरफ्तार किया

ट्विशा केस-मेडिकल जांच के लिए जेपी अस्पताल ले गई टीम ; आज ही कोर्ट में पेश करेंगे

राष्ट्रबाण | भोपाल | एजेंसी | rashtrabaan.in

भोपाल के एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई ने उसकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। टीम उन्हें मेडिकल चेकअप के लिए जेपी अस्पताल ले गई है। इसके बाद गिरिबाला को सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाएगा।

सीबीआई के अधिकारी गुरुवार सुबह साढ़े 10 बजे गिरिबाला के घर पहुंचे थे। करीब 7 घंटे तक पूछताछ करने के बाद शाम 5 बजकर 10 मिनट पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। इससे पहले बुधवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गिरिबाला की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। हाईकोर्ट ने देर रात 17 पन्नों का आदेश जारी किया। इसमें कहा- मामले की गंभीरता, सबूत और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी पक्ष को राहत देना उचित नहीं था।

हाई इंटेंसिटी कैमरे से रिकॉर्डिंग की

आज जांच के दौरान सीबीआई ने गिरिबाला सिंह के घर में हाई इंटेंसिटी 3ष्ठ कैमरा लगाकर पूरे परिसर की 360 डिग्री रिकॉर्डिंग की। आसपास की लोकेशन भी स्कैन की गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटनास्थल किसी पड़ोसी मकान की छत या बालकनी से दिखाई देता है या नहीं।

12 मई की रात हुई थी ट्विशा की मौत

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध हालात में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।
24 मई को भोपाल एम्स में दिल्ली एम्स की टीम ने ट्विशा की डेड बॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नहीं हो सकते दोहरे मापदंड

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड नहीं हो सकते। उन्होंने मॉस्को में पहले अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा फोरम और सुरक्षा मामलों के लिए उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, डोभाल ने 28 मई को सर्गेई शोइगु द्वारा आयोजित बैठक में हिस्सा लिया। इस फोरम का मुख्य विषय 'बहुध्रुवीय विश्व के उदय के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां और खतरे' था। सभा को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि जिम्मेदार देशों को यह साफ फैसला करना होगा कि वे आतंकवाद के प्रायोजकों का समर्थन करते हैं या फिर निर्णायक कार्रवाई से उनका मुकाबला करते हैं। एनएसए ने कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड नहीं हो सकते'' और साथ ही आतंकवाद के ख़तरों से निपटने के लिए एक एकजुट वैश्विक प्रतिक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। डोभाल ने 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के बाद स्थापित वैश्विक संस्थाओं और ढांचों में तत्काल सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया, और कहा कि उन्हें आज की अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में ज्यादा असरदार बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सुधारों से 'ग्लोबल साउथ' के देशों को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए और वैश्विक फैसले लेने की प्रक्रियाओं में उनके विचारों को शामिल किया जाना चाहिए। पश्चिम एशिया की स्थिति पर रोशनी डालते हुए डोभाल ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और लाल सागर जैसे अहम अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से व्यापार का सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के आवागमन सुनिश्चित करना जरूरी है।

बकरीद पर दिल्ली-यूपी में मस्जिदों पर ड्रोन से निगरानी

नई दिल्ली। देशभर में बकरीद का त्योहार मनाया जा रहा है। मुस्लिम धर्मावलंबी ईदगाहों में नमाज पढ़ने पहुंचे। पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी देशवासियों को ईद की शुभकामनाएं दी हैं। राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जन्नती दरवाजा खोला गया यूपी, बंगाल दिल्ली में पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स फ्लैग मार्च कर रही है। मस्जिदों और ईदगाहों पर ड्रोन के जरिए निगरानी रखी जा रही है। उत्तराखंड, चंडीगढ़ की मस्जिदों और ईदगाहों में इस बार नमाजी पोस्टर लेकर पहुंचे, जिन पर लिखा था- गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करें। राज्यस्थान की हज वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की।

ईरान के बाद ओमान को ट्रम्प की धमकी

कहा- होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाश्त नहीं, उड़ा देंगे, मुझे चुनाव की परवाह नहीं

राष्ट्रबाण | तेल अवीव | एजेंसी | rashtrabaan.in

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के बाद अब ओमान की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी।

दरअसल ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से फीस वसूलने के लिए ओमान के साथ मिलकर एक सिस्टम तैयार करने पर बातचीत कर रहा है। ट्रम्प ने कहा कि हम होर्मुज पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'ईरान को लगा था कि वे मुझे इंतजार करवाकर थका देंगे। उन्हें लगा कि मेरे सामने मिडटर्म चुनाव हैं, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। ईरान अब सिर्फ समझौता करना चाहता है।'

खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने से शेयर बाजार गिरे, तेल 4% तक महंगा

अमेरिका के नए सैन्य हमले और कुवैत पर हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव फिर बढ़ गया है। इसका असर वैश्विक बाजारों पर दिखा। शेयर बाजारों में गिरावट आई, जबकि कच्चे तेल की कीमतें 4% तक चढ़ गईं। तनाव बढ़ने से निवेशकों की शांति समझौते को लेकर उम्मीद कमजोर पड़ी और बाजार में बिकवाली बढ़ गई। ब्रेंट क्रूड करीब 2.7% बढ़कर 96.8 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। अप्रैल के अंत में तेल 126 डॉलर तक गया था। अभी भी इसकी कीमतें युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले 33% ज्यादा हैं। कॉमनवेल्थ बैंक ऑस्ट्रेलिया के विश्लेषक मैडिसन कार्टराइट ने कहा कि अगले दो हफ्तों में या तो नया संघर्षविराम समझौता होगा या फिर लड़ाई दोबारा शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति अब भी साफ नहीं है। वहां जहाजों के बीमा की लागत बहुत बढ़ गई है।

पिछले 24 घंटे के बड़े अपडेट्स...

- **1. ईरान-अमेरिका डील का दावा-** ईरान ने दावा किया कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के लिए शुरुआती समझौता ड्राफ्ट तैयार हुआ है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग बहाल करने और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी घटाने का प्रस्ताव शामिल है।
- **2. अमेरिका ने रिपोर्ट को बताया झूठ-** व्हाइट हाउस ने ईरानी मीडिया की शांति समझौते वाली रिपोर्ट को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया। अमेरिका ने कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का आधिकारिक ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है।
- **3. लेबनान में इजराइली हमले तेज-** दक्षिणी लेबनान में इजराइल के ताजा हवाई हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई और 40 घायल हुए। लगातार हमलों के बीच लोगों में दहशत है और बड़े पैमाने पर पलायन जारी है।

शायर बशीर बद्र का 91 साल की उम्र में निधन

याददाश्त चली गई थी, मुशायरे की याद आने पर इरशाद-इरशाद कहने लगते थे

राष्ट्रबाण | भोपाल | एजेंसी | rashtrabaan.in

उर्दू ग़ज़ल के शहंशाह डॉ. बशीर बद्र (91) नहीं रहे। उन्होंने गुरुवार दोपहर 12:15 बजे भोपाल में फानी दुनिया को अलविदा कहा। उर्दू अदब की रूह में समाए बशीर बद्र तक़रीबन 14 बरस डिमेंशिया की गिरफ़्त में रहे, जिससे उनकी याददाश्त कमजोर होती चली गई, मगर उनके शेर आज भी दिलों में धड़कते हैं। उनको आज शाम 7:30 बजे भोपाल टॉकीज के पास कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया जाएगा।

उनकी पत्नी, डॉ. राहत बद्र, जब उनके शेर गुनगुनातीं, तो बशीर साहब के चेहरे पर शादाबी की हल्की सी झलक उभर आती थी। कभी-कभी वे खुद भी मिसरा पूरा करने लगते। एक वक़्त था, जब उनके बिना मुशायरे अधूरे माने जाते थे। उनकी मौजूदगी महफ़िल की कामयाबी की ज़मानत हुआ करती थी। जब भी उन्हें मुशायरे की याद आती थी तो इरशाद, इरशाद कहने लगते थे।

वो शेर जिसने बशीर बद्र को मक़बूल कर दिया

उत्तरप्रदेश के कानपुर में 15 फरवरी 1935 को पैदा हुए बशीर बद्र ने कम उम्र में ही शायरी शुरू कर दी थी। मगर मक़बूलियत मिली इस शेर से-

'उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए।'

1960 के दशक में इस शेर को मशहूर अदाकारा मीना कुमारी ने अपने हाथों से लिखकर एक मैगज़ीन को दिया। बस, फिर क्या था! बशीर बद्र की शोहरत का सफ़र तेज हो गया।

अगले 3 दिन बारिश का अलर्ट ; राजस्थान का श्रीगंगानगर देश में सबसे गर्म

राजस्थान- मप्र समेत 15 राज्यों में आज से गर्मी से राहत

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

देश के 15 से ज्यादा राज्यों में शुक्रवार से गर्मी से राहत मिलने वाली है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, यूपी में अगले तीन दिन बारिश हो सकती है। बिहार के 32 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 60किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

वहीं राजस्थान में जयपुर सहित 11 जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट है। जैसलमेर, फलोदी, गंगानगर, बीकानेर में कल हीटवेव का सबसे ज्यादा असर रहा। बुधवार को राजस्थान का श्रीगंगानगर देश में सबसे गर्म शहर रहा, यहां तापमान 48डिग्री को पार करके 48.2 डिग्री तक पहुंचा।

महाराष्ट्र के नागपुर में पिछले तीन दिन में 16 लोगों के शव रेलवे स्टेशन, सड़क, फ्लाईओवर के नीचे समेत अन्य सार्वजनिक जगहों पर मिले। प्रशासन को आशंका है कि हीटवेव के कारण इन लोगों की मौत हुई। नागपुर में बुधवार को भी अधिकतम तापमान 46डिग्री रहा। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो आज उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बारिश और ओले गिर सकते हैं।

29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश की संभावना

देश के 80-90% हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5 द्व्र बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है। मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है। इसमें अगले 8 दिनों में दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के इलाकों में ज्यादा बारिश के संकेत हैं।

नीदरलैंड - आखिर बाढ़ से भयंकर तबाही झेल रहे इस देश ने कैसे बना दिए पानी में तैरते घर?

डच देश नीदरलैंड जिसने अपने यहां बाढ़ का स्थाई हल खोज लिया है। आपको बता दें कि एक समय ऐसा भी था, जब ये देश बाढ़ जैसी आपदा को झेलता रहता था, लेकिन आज दुनियाभर के कई देश नीदरलैंड से वॉटर मैनेजमेंट सीख रहे हैं।

बाढ़ के खतरे में हमेशा घिरे रहने वाले देश नीदरलैंड में बचाव की कोशिश तो बहुत पहले से होती रही है, लेकिन साल 1953 के बाद ये काफी तेज हो गई। क्योंकि उस साल की बारिश में 600 स्क्वायर मील हिस्सा पानी में पूरी तरह से डूब गया, जिससे हजारों लोग बेघर हो और करीब दो हजार लोगों की जान चली गई। बता दें कि नीदरलैंड का 25 फीसदी हिस्सा समुद्र तल से नीचे की ओर है और इसी हिस्से में देश की 20 फीसदी से ज्यादा आबादी बसी हुई है। साल 1953 में आए बाढ़ के बाद नीदरलैंड में फ्लड-डिफेंस सिस्टम पर काम में तेजी आई। वैज्ञानिकों के साथ-साथ वहां आम लोग भी अपनी तरफ से कोशिश करने लगे कि बाढ़ का खतरा कैसे कम हो सके?

बाढ़ के खतरे में हमेशा घिरे रहने वाले इस देश में समुद्र किनारे तटबंध बनाए गए। यहां के शहर रॉतेरडैम में समुद्र पर एक विशाल गेट बना हुआ है, जो पानी को रोकने का काम करता है। आपको बता दें कि यहां पर जमा हुए पानी से वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी होता रहता है।

17वीं सदी में ही बना नीदरलैंड का ड्रेनेज सिस्टम भी काफी बढ़िया है और इसके मेंटनेंस पर लगातार ध्यान दिया जाता है। इस देश के शहरों में जल निकासी के लिए पंपिंग सिस्टम है। पवन चक्की के जैसे दिखने वाले ये पंपिंग सिस्टम शहर से अतिरिक्त पानी निकालते हुए उसे नदी-नहरों तक पहुंचाते हैं, ताकि खेती का काम हो सके।

आपको बता दें नीदरलैंड में पानी में तैरने वाले घर भी बने हैं। एम्सटर्डम से लागोस तक ऐसे घर आपको देखने के लिए मिल जाएंगे। ऐसे घरों में बेस सीमेंट का होता है, लेकिन उसके अंदर स्टीरोफोम भरा होता है, ताकि वे पानी में डूबे नहीं।

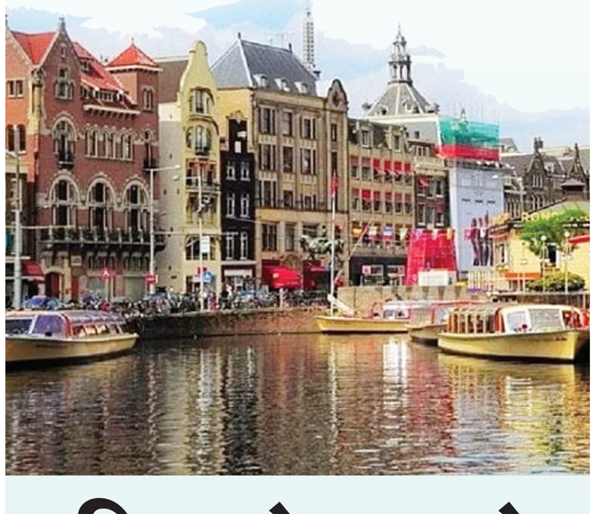

दुनिया के सबसे खतरनाक बीच

दुनियाभर में कई प्रसिद्ध बीच हैं जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं। समंदर की लहरों के साथ मौज-मस्ती करने का अलग ही आनंद है। लेकिन दुनिया में कई सुमुद्री तट हैं, जो बेहद खतरनाक हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा में स्थित न्यू स्मायर्ना बीच दुनिया में सबसे खतरनाक और अजीबोगरीब है। मैक्सिको में स्थित प्लाया जीपोलाइट बीच जितना खूबसूरत है उतना ही खतरनाक भी है। ब्राजील में स्थित प्रइआ दी बोआ बीच की पहचान सबसे खतरनाक बीच के रूप में है। हवाई द्वीप में मौजूद हनाकापीआई बीच एक बेहद ही खूबसूरत बीच है, लेकिन यह बेहद खतरनाक भी है। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्वींसलैंड में स्थित केप ट्रिब्यूलेशन बीच खतरनाक समुद्री तटों में शामिल है।

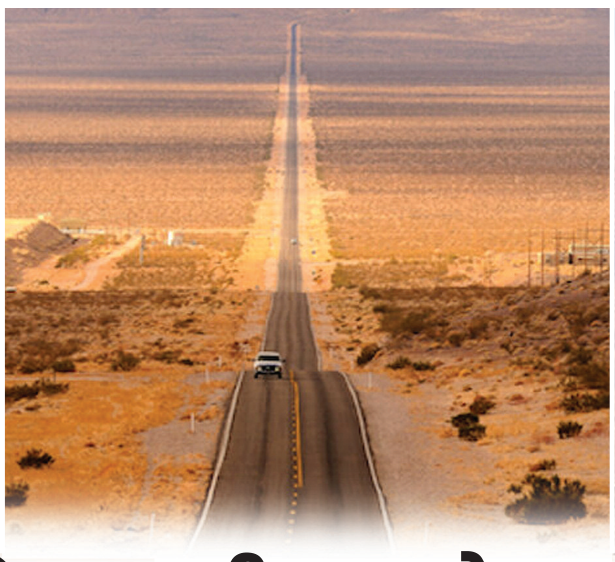

दुनिया की सबसे गर्म जगहें, जहां इंसान की हो सकती है मौत

भारत समेत दुनिया के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। भारत के कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसकी वजह से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसी कड़ी में आज हम आपको दुनिया की पांच ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां इतनी भयानक गर्मी पड़ती है कि लोगों की जान भी जा सकती है। यह जगहें इतनी गर्म होती हैं कि यहां पर 10 मिनट में इंसान बीमार पड़ सकता है या कुछ घंटे में ही उसकी मौत हो सकती है।

सहारा रेगिस्तान, अफ्रीका

दुनिया की सबसे गर्म जगहों में अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान भी शामिल है। इस जगह का औसत तापमान 35 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पूरे साल यहां 100 मिलिमीटर से भी कम बारिश होती है, जो न के बराबर है। सहारा रेगिस्तान में अधिकतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि सतह का तापमान 76 डिग्री सेल्यिस रिकॉर्ड किया गया है। सहरा दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान है।

डेथ वैली, कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया की डेथ वैली दुनिया की सबसे अधिक गर्म जगहों में से एक है। 10 जुलाई 1913 में यहां पर अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड बना था। उस समय डेथ वैली के फरनेस क्रीक नामक स्थान पर अधिकतम तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। फिलहाल यहां पर 37 से 40 डिग्री के बीच तापमान दर्ज किया जाता है। यहां पर गर्मी की कई वजहें हैं जिनमें सूरज की गर्मी, घाटी में गर्म हवाओं का बाहर नहीं जा पाना और फंसकर घूमता रहना है। इसके साथ ही आसपास रेगिस्तान मौजूद हैं, जहां से गर्म हवाएं आती हैं। यहां के जलीय स्रोतों से ह्यूमिडिटी निकलती है, जिनकी वजहों से डेथ वैली में जानलेवा गर्मी पड़ती है।

फ्लेमिंग माउंटेन, चीन

चीन का फ्लेमिंग माउंटेन टकलामाकेन रेगिस्तान के उत्तरी इलाके में स्थित है। शिनजियांग प्रांत के तियान शान में स्थित लाल सैंडस्टोन्स की पहाड़ियों को फ्लेमिंग माउंटेंस या हुओयान माउंटेंस भी कहा जाता है। इस पहाड़ की लंबाई 100 किलोमीटर और चौड़ाई 5 से 10 किलोमीटर है। इस जगह गर्मी के दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। बताया जाता है कि साल 2008 में इस इलाके में 66.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड पहुंच था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

ल अजीजिया, लीबिया

लीबिया के उत्तर-पश्चिम इलाके में स्थित जाफरा जिले में अजीजिया एक छोटा सा कस्बा है। इस इलाके में बहुत अधिक गर्मी पड़ती है। आमतौर पर यहां का उच्चतम तापमान 35 से 40 के बीच रहता है, लेकिन 13 सितंबर 1922 में 58 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन बाद में विश्व मौसम संगठन ने साल 2012 में इसको गलत बताया था, क्योंकि उस समय तापमान मापने की सुविधा इस इलाके में नहीं थी। हालांकि इस इलाके में गर्मी बहुत अधिक पड़ती है।

सोनोरन रेगिस्तान, अमेरिका

अमेरिका से उत्तरी मेक्सिको तक यह रेगिस्तान फैला है, जहां पर जानलेवा गर्मी पड़ती है। इसके साथ ही यहां कैक्टस के पौधे हैं जो बेहद खतरनाक हैं। यह रेगिस्तान एरिजोना प्रांत में स्थित है जहां कुछ दुर्लभ जगुआर देखने मिलते हैं। यहां का औसत तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जाता है।

कहानी भारत के एक रेलवे स्टेशन की, जो भूत के डर से कई सालों तक रहा बंद

कोई रेलवे स्टेशन किसी एक लड़की की वजह से बंद हो जाए, यह सुनने में बड़ा अजीब सा लगता है और वो भी तब जब स्टेशन को खुले अभी महज सात साल ही हुए हों। आपको शायद यह मजाक लग रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। यह रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में है, जिसका नाम है बेगुनकोडोर रेलवे स्टेशन। यह रेलवे स्टेशन साल 1960 में खुला था। इसे खुलवाने में संथाल की रानी श्रीमति लाचन कुमारी का अहम योगदान रहा है। यह स्टेशन खुलने के बाद कुछ सालों तक तो सबकुछ ठीक रहा, लेकिन बाद में यहां अजीबोगरीब घटनाएं घटने लगीं। साल 1967 में बेगुनकोडोर के एक रेलवे कर्मचारी ने स्टेशन पर एक महिला का भूत देखने का दावा किया। साथ ही यह अफवाह भी उड़ी कि उसकी मौत उसी स्टेशन पर एक ट्रेन दुर्घटना में हो गई थी। अगले दिन उस रेलवे कर्मचारी ने लोगों को इसके बारे में बताया, लेकिन उन्होंने उसकी बातों को अनदेखा कर दिया।

असली परेशानी तो तब शुरू हुई जब उस वक्त के बेगुनकोडोर के स्टेशन मास्टर और उनका परिवार रेलवे क्वार्टर में मृत अवस्था में पाया गया। यहां रहने वाले लोगों का दावा था कि इन मौतों में उसी भूत का हाथ था। उनका कहना था कि सूरज ढलने के बाद जब भी कोई ट्रेन यहां से गुजरती थी तो महिला का भूत उसके साथ-साथ दौड़ने लगता था और कभी-कभी तो ट्रेन से भी तेज दौड़कर उसके आगे निकल जाता था। इसके अलावा कई बार उसे ट्रेन के आगे पटरियों पर भी नाचते हुए देखे जाने का दावा किया गया था। इन खौफनाक घटनाओं के बाद बेगुनकोडोर को भूतिया रेलवे स्टेशन माना जाने लगा और यह रेलवे के रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया। लोगों के अंदर इस महिला का भूत का इतना खौफ बढ़ चुका था कि वो इस स्टेशन पर आने से कतराने लगे। धीरे-धीरे यहां लोगों का आना-जाना बंद हो गया। यहां तक कि स्टेशन पर काम करने वाले रेलवे कर्मचारी भी डर के मारे भाग गए।

बेगुनकोडोर स्टेशन पर जब भी किसी रेलवे कर्मचारी की पोस्टिंग होती, तो वो तुरंत ही यहां आने से मना कर देता। यहां तक कि इस स्टेशन पर ट्रेनों का रुकना भी बंद हो गया, क्योंकि डर के मारे न तो कोई यात्री यहां उतरना चाहता था और न ही कोई इस स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के लिए ही आता था। इसके बाद से पूरा का पूरा स्टेशन ही सूनसान हो गया। कहते हैं कि इस स्टेशन पर भूत की बात पुरुलिया जिले से लेकर कोलकाता और यहां तक कि रेलवे मंत्रालय तक पहुंच चुकी थी। यह भी कहा जाता है कि उस वक्त जब भी कोई ट्रेन इस स्टेशन से गुजरती थी तो लोको पायलट स्टेशन आने से पहले ही ट्रेन की गति बढ़ा देते थे, ताकि जल्द से जल्द वो इस स्टेशन को पार कर सकें। यहां तक कि ट्रेन में बैठे लोग स्टेशन आने से पहले ही खिड़की-दरवाजे सब बंद कर लेते थे।

चूरू किला, जहां दुश्मनों पर दागे गए थे चांदी के गोले

प्राचीन समय में राजा अपने राज्य या किले की रक्षा के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहते थे। यहां तक कि वो सोने-चांदी, हीरे-जवाहरात की भी कीमत नहीं समझते थे। आज हम आपको एक ऐसे एतिहासिक किले के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इतिहास में अमर है, क्योंकि वहां जो घटना घटी थी, वो न तो दुनिया में कहीं और घटी है और न ही कभी घटेगी। इस घटना की वजह से ही किले का नाम विश्व इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं चूरू किले की, जो राजस्थान के चूरू जिले में स्थित है। वर्ष 1694 में ठाकुर कुशल सिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था। इस किले के निर्माण के पीछे मकसद आत्मरक्षा के साथ-साथ राज्य के लोगों को भी सुरक्षा प्रदान करना था।

यह किला दुनिया का एकमात्र ऐसा किला है, जहां युद्ध के समय गोला बारूद खत्म हो जाने पर तोप से दुश्मनों पर चांदी के गोले दागे गए थे। यह इतिहास की बेहद ही हैरान कर देने वाली घटना थी, जो वर्ष 1814 में घटी थी। उस समय इस किले पर ठाकुर कुशल सिंह के वंशज ठाकुर शिवजी सिंह का राज था।

इतिहासकारों के मुताबिक, ठाकुर शिवजी सिंह की सेना में 200 पैदल और 200 घुड़सवार सैनिक थे, लेकिन युद्ध के समय सेना की संख्या अचानक से बढ़ जाती थी, क्योंकि यहां रहने वाले लोग अपने राजा के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहते थे और इसीलिए वो एक सैनिक की तरह दुश्मनों से लड़ते थे। सिर्फ यही नहीं, ठाकुर शिवजी सिंह की प्रजा अपने राजा और राज्य की रक्षा के लिए अपनी धन-दौलत तक लुटा देते थे। साल 1814, अगस्त का महीना था। बीकानेर रियासत के राजा सूरत सिंह ने अपनी सेना के साथ चूरू किले पर हमला बोल दिया। इधर, ठाकुर शिवजी सिंह ने भी अपनी सेना के साथ उनका डटकर मुकाबला किया, लेकिन कुछ ही दिनों में उनके गोला-बारूद खत्म हो गए। गोला-बारूद की कमी देख राजा चिंतित हो गए, लेकिन उनकी प्रजा ने उनका भरपूर साथ दिया और राज्य की रक्षा के लिए अपने सोने-चांदी सब राजा पर न्यौछावर कर दिए, जिसके बाद ठाकुर शिवजी सिंह अपने सैनिकों को आदेश दिए कि दुश्मनों पर तोप से चांदी के गोले दागे जाएं। इसका असर ये हुआ कि दुश्मन सेना ने हार मान ली और वहां से भाग खड़े हुए। यह घटना चुरू के इतिहास में अमर है।

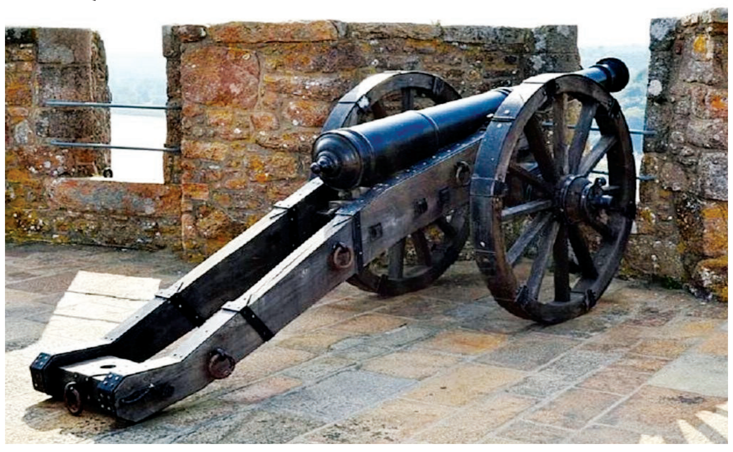

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 29 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

वन विकास निगम में छः हजार लाओ, जलाऊ चट्ठा पाओ?

डिप्टी रेंजर सतीश कुमारे पर चौकीदार के माध्यम से दलाली करने के आरोप

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

रामकिशन सोलंकी, सम्भागीय प्रबंधक वन विकास निगम : साहब विभाग में बैठे चोरो पर लगाम लगाओ।

बालाघाट जिले के वन विकास निगम लामता अंतर्गत ग्रामीण हितग्राहियों को निर्धारित दर पर दी जाने वाली जलाऊ लकड़ी अब कथित रूप से दोगुनी कीमत पर बेचे जाने के आरोपों में घिर गई है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है तथा वन विकास निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश वन विभाग के प्रावधानों के तहत ग्राम पंचायतों से प्राप्त टोकन रसीद के आधार पर हितग्राहियों को लगभग 383 रुपये प्रति चट्ठा की दर से जलाऊ लकड़ी उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन आरोप है कि लामता वन विकास निगम के चांगोटोला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोनखार एवं पाटादेह के हितग्राहियों के नाम पर मनी रसीद काटी गई, जबकि जलाऊ लकड़ी की खेप ग्राम पंचायत गुडरू अंतर्गत हीरमनटोला में खाली कराई गई। जब इस संबंध में गुडरू स्थित उत्तर वन मंडल के बैरियर चेक पोस्ट पर जानकारी ली गई तो संबंधित ट्रैक्टर एवं मनी रसीद की कोई एंट्री दर्ज नहीं पाई गई। इससे पूरे मामले में अनियमितता एवं विभागीय मिलीभगत की आशंका और भी गहरा गई है।

कार्यालय म.प्र. राज्य वन विकास निगम : बन गया अवैध लूट का अड्डा?

क्या नाके में नहीं होती चेकिंग?

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वन विकास निगम से इन दिनों जलाऊ चट्टे का वितरण तो किया जा रहा हैं परंतु यह भी सच है कि अत्यधिक मात्रा चट्टे गुडरू बैरियर क्रॉस होकर अन्यत्र ग्राम में चट्टे का वितरण भारी मात्रा में किया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या उत्तर वन मंडल के अंतर्गत आने वाला बैरियर में चेकिंग नहीं होती और होती है तो आखिर बिना वैध मनी रशीद के गुडरू बैरियर से ट्रैक्टर ट्राली कैसे बचकर निकल गई। गुडरु बैरियर प्रभारी और उपस्थित जिम्मेदार क्या गहरी निद्रा में थे या कमीशन का खेल खेलते हुए खामोश बने रहे? उत्तर वन मंडल से सवाल है कि इस तरह जिम्मेदार अंजान बने रहेंगे तो कैसे जंगल और पर्यावरण की सुरक्षा की जा सकेगी ।

दिनेश राहंगडाले
जिम्मेदारी से विमुख।

राजेंद्र प्रसाद जरगे, रेंजर
सब चलता है।

सतीश कुमारे, डिप्टी रेंजर
पैसा बोलता है!

नियम को ताक पर रखकर किया जा रहा बिक्री

ग्रामीणों एवं क्षेत्रीय लोगों ने वन विकास निगम परियोजना परिक्षेत्र लामता में जलाऊ चट्ठों के वितरण एवं बिक्री की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो विभाग को भारी राजस्व नुकसान पहुंच सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई तथा निलंबन की मांग प्रशासन से की है। अब देखना यह होगा कि सारे सबूत मिलने के बाद भी वन विकास निगम लामता एवं उत्तर वन मंडल अपने कर्मचारियों पर किस तरह की कार्यवाही करता है या लाफरवाह कर्मचारियों पर मेहरबानी बरसता है।

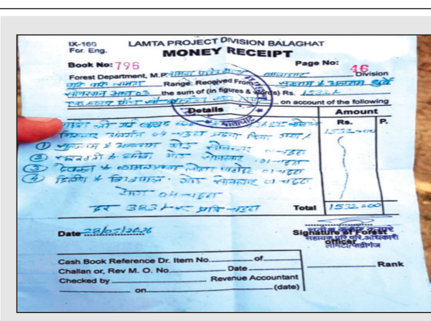
IX-160
For. Eng.
LAMTA PROJECT DIVISION BALAGHAT
MONEY RECEIPT
Book No: 796 Page No: 46
Forest Department, M.P. Division
Range: Received From
the sum of (in figures & words) Rs.
on account of the following
Details | Amount Rs. P.
Total
Date 28/05/2026
Signature of Forest Officer
Cash Book Reference Dr. Item No. of
Challan or, Rev M. O. No. Date
Checked by Revenue Accountant
on (date)
Rank

मनी रिसीप्ड में उल्लेख पंद्रह सौ, तो छः हजार की वसूली क्यों ?

नियम विरुद्ध बेचे जाने वाले चट्टे, छः हजार में कौन-कौन शामिल?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक ट्रैक्टर जलाऊ लकड़ी लगभग छः हजार रुपये तक वन विकास निगम के चौकीदार के माध्यम से बेची जा रही है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में अब तक करीब 150 से 200 जलाऊ चट्ठों की सप्लाई की जा चुकी है तथा प्रतिदिन 5 से 7 ट्रैक्टर लकड़ी परिवहन करते देखे जाते हैं। आरोप है कि नियमों को दरकिनार कर जलाऊ लकड़ी दूसरे स्थानों पर सप्लाई की जा रही है, जबकि विभागीय उत्तर वन मंडल के बैरियर में न तो नियमित एंट्री हो रही है और न ही किसी प्रकार की प्रभावी जांच या चेकिंग की जा रही है।
ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे मामले में वन विकास निगम के जिम्मेदार कर्मचारियों जैसे डिप्टी,रेंजर,और चौकीदार की मिलीभगत हो सकती है। क्षेत्र में चर्चा है कि चौकीदार के माध्यम से कथित रूप से छः हजार रुपए पर ट्रैक्टर ट्राली बेचकर वसूली कराई जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। लेकिन संबंधित डिप्टी सतीश कुमारे से जानकारी ली गई तो उन्होंने इस सम्बन्ध में गोलमोल जवाब दिया ।सवाल अब भी बरकरार है कि आखिर मनी रशीद पाटादेह,सोनखार की है तो कैसे दूसरे स्थान में जलाऊ चट्टे से भरी ट्रैक्टर भेजी जा रही है ।

विधायक ने सिरपुर और बनेरा में दी 65 लाख से अधिक के कार्यों की सौगात

राष्ट्रबाण कटंगी | संवाददाता rashtrabaan.in

कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के तहत विधायक गौरव सिंह पारधी ने ग्राम पंचायत सिरपुर और बनेरा में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करना और स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

ग्राम पंचायत सिरपुर में करीब 65.43 लाख की लागत के विकास कार्यों की शुरुआत की गई। इसमें किसानों और भंडारण की सुविधा के लिए 52.32 लाख की लागत से बनने वाले 500 मी. टन क्षमता के गोदाम तथा ज्11.11 लाख की लागत से बनने वाली सी.सी. रोड का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही, जिला पंचायत सदस्य की मद से ग्रामीणों की सामाजिक गतिविधियों के लिए 2 लाख की लागत से तैयार हुए सामुदायिक कक्ष का लोकार्पण भी संपन्न हुआ।

गाँवों का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता: गौरव पारधी

इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़क, भंडारण और सामुदायिक अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि कटंगी विधानसभा के प्रत्येक गाँव तक मूलभूत सुविधाएं पहुँचाना और अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ सुनिश्चित करना ही उनका मुख्य संकल्प है।

युवा ऊर्जा से हो रहा विकासः केशर बिसेन

कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती केशर बिसेन ने विधायक गौरव सिंह पारधी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विधायक अपनी युवा ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ क्षेत्र के विकास को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है।

बनेरा में सी.सी. रोड का भूमिपूजन

सिरपुर के बाद विधायक बनेरा पहुँचे, जहाँ उन्होंने गाँव की आंतरिक सड़क को बेहतर बनाने के लिए राज्य वित्त आयोग से लगभग 12 लाख की सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क के बनने से बारिश के दिनों में ग्रामीणों को होने वाली आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी।

ग्रामीणों ने जताया आभार

अनाज गोदाम, सी.सी. रोड और सामुदायिक भवन जैसी व्यावहारिक जरूरतें पूरी होने पर स्थानीय ग्रामीणों और वरिष्ठ जनों ने प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने गाँव में पहुँचने पर विधायक गौरव सिंह पारधी का आत्मीय स्वागत किया और क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समाधान करने के लिए विधायक एवं शासन के प्रति अपना आभार और धन्यवाद प्रकट किया।
इस दौरान कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती बबिता ओमप्रकाश वरकड़े, जनपद सदस्य सुखचंद पटले, मंडल अध्यक्ष श्री सौरभ ठाकरे, ग्राम सिरपुर सरपंच मिताली प्रमोद खंडायत, बनेरा सरपंच भागचंद पटले सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पांढ़रवानी बैल बाजार में किसान के बैल ने तोड़ा दम

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

क्षेत्र के प्रसिद्ध पांढ़रवानी बैल बाजार में भीषण गर्मी और तपतपाती धूप का जानलेवा रूप देखने को मिला। यहाँ खुरपुड़ी गाँव के निवासी एक किसान, अजबलाल कावरे, अपनी बैल जोड़ी को बेचने के लिए बाजार लेकर आया था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था, चिलचिलाती धूप और भीषण उमस के कारण अचानक एक बैल की तबीयत बिगड़ी और बाजार परिसर में ही उसकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से बाजार में हड़कंप मच गया और पीड़ित किसान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बालाघाट में मोती तालाब चमगादड़ों की मौत

संक्रमण का खतरा, जांच के लिए सैंपल जबलपुर भेजे गए

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट के मोती तालाब में पेड़ों पर रहने वाले चमगादड़ों की मौत का सिलसिला जारी है। पिछले चार-पांच दिनों में 65 से अधिक चमगादड़ों की मौत हो चुकी है, जिनके शव तालाब के पेड़ों के नीचे देखे जा रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में हुई मौतों ने पशु चिकित्सकों और वन्यजीव प्रेमियों को चिंतित कर दिया है।

पशु चिकित्सक डॉ. घनश्याम परते के अनुसार, बढ़ते तापमान को चमगादड़ों की मौत का कारण माना जा रहा है। हालांकि, मौत की सटीक वजह जानने के लिए नमूने जांच के लिए जबलपुर भेजे गए हैं। अभी तक जांच में कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है। मृत चमगादड़ों के शवों के निस्तारण की समस्या खड़ी हो गई है। मोती तालाब के पास स्थित उद्यान में सुबह-शाम सैर करने वाले लोग आते हैं। खुले में पड़े शवों से बीमारी फैलने और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। डॉ. घनश्याम परते ने बताया कि अभी तक किसी संक्रमण की खबर नहीं है, लेकिन नगरपालिका को तुरंत शवों को हटाकर उनका निस्तारण करना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में नगरपालिका से चर्चा करने की बात कही।

उद्यान प्रभारी प्रभात राहंगडाले ने जानकारी दी कि मृत चमगादड़ों के निस्तारण को लेकर नगरपालिका सीएमओ से चर्चा हुई है। रेंगाटोला स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में गड्ढा खोदकर मृत चमगादड़ों को दफनाया जाएगा। वन्यजीव प्रेमी अभय कोचर ने चमगादड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि चमगादड़ सामाजिक प्राणी हैं और एक साल में लगभग 1000 किलोग्राम कीट-पतंगों का भक्षण करते हैं। वे किसानों के सच्चे मित्र हैं और प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे कई महामारियों को फैलने से रोकने में मदद मिलती है। उन्होंने इनके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

खनिज माफियाओं के हौसले बुलंद, कुंभकर्णी नींद में सोया खनिज विभाग!

बिरसा में बिठाली और गोवारी नदी का सीना चीरकर दिन-रात हो रहा रेत का अवैध खेल

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट जिले से एक बेहद चौंकाने वाला और पर्यावरण को तबाह करने वाला मामला सामने आया है। जिले की बिरसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिठाली और गोवारी नदी घाट इन दिनों अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का सबसे बड़ा अड्डा बन चुके हैं। यहाँ रेत माफिया बिना किसी डर और रोक-टोक के शासन के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, जबकि जिम्मेदार खनिज विभाग पूरी तरह से आंखें मूंदे बैठा है।

स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बिठाली और गोवारी नदी से हर रोज दिन-रात दर्जनों ट्रैक्टर ट्रॉलियों के माध्यम से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। माफियाओं ने नदियों का सीना छलनी कर दिया है और नदियों के प्राकृतिक स्वरूप को नष्ट किया जा रहा है। लगातार हो रहे इस अवैध उत्खनन के कारण जहाँ एक ओर नदियों का जलस्तर तेजी से गिर रहा है, वहीं दूसरी ओर भविष्य में भयंकर जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन का खतरा मंडराने लगा है।

राजस्व और वन विभाग की सीमा का फायदा उठा रहे माफिया

इस पूरे अवैध खेल में सबसे दिलचस्प और चिंताजनक बात यह है कि बिठाली क्षेत्र का कुछ हिस्सा राजस्व विभाग के अंतर्गत आता है, तो कुछ हिस्सा वन विभाग की सीमा में शामिल है। वहीं, गोवारी घाट का पूरा इलाका राजस्व क्षेत्र में आता है। विभागों की इसी भौगोलिक सीमा और आपसी तालमेल की कमी का फायदा रेत माफिया जमकर उठा रहे हैं। जब वन विभाग की बात आती है तो मामला राजस्व पर टाल दिया जाता है, और जब राजस्व की बारी आती है तो वन विभाग का बहाना बना दिया जाता है। इसी 'सीमा विवाद' की आड़ में माफिया लाखो रुपए की सरकारी संपदा पर डाका डाल रहे हैं।

खनिज विभाग की 'रहस्यमयी' चुप्पी पर उठ रहे सवाल

नदियों से अवैध रूप से ट्रैक्टरों का रेला गुजरता है, सड़कों पर दिन-रात उड़ती धूल गवाही देती है कि यहाँ कुछ गलत हो रहा है, लेकिन बालाघाट का खनिज विभाग इस पूरे मामले से अनजान बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनिज विभाग की यह नींद 'कुंभकर्णी' है, जो सब कुछ जानते हुए भी गहरी नींद का नाटक कर रही है। जनता के मन में अब यह बड़ा सवाल उठ रहा है कि क्या इस अवैध कारोबार को खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन का मूक संरक्षण प्राप्त है? आखिर क्यों आज तक इन रेत माफियाओं के खिलाफ कोई बड़ी और ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई?

राजस्व को लाखो का चूना, ग्रामीण परेशान

इस काले कारोबार के चलते मध्य प्रदेश शासन को हर महीने करोड़ों रुपए के राजस्व का चूना लग रहा है। रॉयल्टी चोरी कर कौड़ियों के भाव रेत निकालकर उसे महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। क्षेत्र में हो रहे अवैध उत्खनन और अवैध परिवहन पर लगाम लगाने की जरुरत है। यदि जल्द ही बिठाली और गोवारी नदी में चल रहे इस अवैध उत्खनन को पूरी तरह बंद नहीं किया गया और दोषियों पर रासुका जैसी कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो माफिया नदियों के अस्तित्व को ख़त्म करने से नहीं चूकेंगे।

जिले के 6 जूनियर तैराक स्टेट काम्पीटिशन खेलने रवाना

दशकों बाद भी नहीं बन सका स्वीमिंग पूल, नदी में करते हैं अभ्यास

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट जिले से 6 जूनियर तैराक राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए गुरुवार को रीवा रवाना हुए। यह प्रतियोगिता 30 मई से रीवा में आयोजित की जाएगी। ये खिलाड़ी विपरीत परिस्थितियों में नदी में तैराकी का अभ्यास करते हैं, क्योंकि जिले में दशकों से स्वीमिंग पूल नहीं बन पाया है। खिलाड़ियों को विदाई देने के लिए वरिष्ठ डॉ. बी.एम. शरणागत, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, तैराकी संघ अध्यक्ष संजीव भाउ अग्रवाल और सचिव महेन्द्र सुराना सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उन्होंने कोच प्रशांत कुशवाहा और मैनेजर योगेन्द्रसिंह तोमर के साथ खिलाड़ियों का पुष्पहार से स्वागत किया और राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जूनियर वर्ग में बालाघाट का प्रतिनिधित्व आर्या भोयरकर, ओम सावलानी, दिव्यांश सिंह, हर्ष जोतवानी, डेविश हरदे और विप्लव नाविक करेंगे। तैराकी संघ अध्यक्ष संजीव भाउ अग्रवाल ने बताया कि यह प्रतियोगिता 30 मई से 2 जून तक चलेगी।

अग्रवाल ने जानकारी दी कि जिले में जूनियर और सीनियर तैराक प्रतियोगिता की तैयारी के लिए नदी में अभ्यास करते हैं। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि वर्षो बाद भी जिले में कोई स्वीमिंग पूल नहीं बन सका है, जिसके कारण तैराकों को प्रतियोगिताओं में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सचिव महेन्द्र सुराना ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चार वर्गो में चयनित तैराकों को उनकी प्रतियोगिता के अनुसार तैराकी संघ के माध्यम से भेजा जा रहा है। इस बार जूनियर वर्ग का समूह रवाना हुआ है, जबकि सीनियर ग्रुप की प्रतियोगिता जुलाई में आयोजित होगी। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जा रही तैराक आर्या भोयरकर ने बताया कि नदी में अभ्यास करने के कारण अक्सर पूल में होने वाली प्रतियोगिताओं में जिले के तैराक पिछड़ जाते हैं।

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सिमरिया मंडी में गुंडागर्दी चरम पर!

अनाज बेचने आए किसान को व्यापारी ने दी औकात में रहने की नसीहत

○ रात में शराब पीकर दी जान से मारने की धमकी; मंडी प्रशासन लाचार!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

अन्नदाता कहे जाने वाले किसानों के शोषण को रोकने और उन्हें उनकी उपज का सही दाम दिलाने के लिए सरकार ने कृषि उपज मंडियों का गठन किया था। लेकिन आज यही मंडियां कुछ रसूखदार और गुंडा प्रवृत्ति के व्यापारियों की वजह से किसानों के उत्पीड़न का सबसे बड़ा केंद्र बनती जा रही हैं। भुगतान में लेत-लतीफी और तौल में गड़बड़ी की शिकायतें तो आम थीं, लेकिन अब सिमरिया मंडी से जो मामला सामने आया है, उसने मंडी प्रशासन की सुरक्षा और व्यवस्था के दावों की पोल खोलकर रख दी है। यहाँ एक पीड़ित किसान के साथ न सिर्फ बदसलूकी की गई, बल्कि रात के अंधेरे में शराब के नशे में धुत होकर उसे जान से मारने की धमकी तक दे डाली गई।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित किसान आदित्य बघेल गत 20 मई को अपनी खून-पसीने की गाढ़ी कमाई, यानी गेहूं की फसल को बेचने के लिए सिमरिया मंडी लेकर पहुंचे थे। मंडी परिसर में नीलामी प्रक्रिया के दौरान 'ललित ट्रेडिंग' के संचालक द्वारा किसान के गेहूं पर बोली लगाकर उसे खरीदा गया। नियम के मुताबिक किसान का माल तुरंत तौला जाना चाहिए था, लेकिन व्यापारी द्वारा टालमटोल शुरू कर दी गई। किसान आदित्य ने शाम तक का इंतजार किया, लेकिन जब शाम ढलने के बाद भी उनके गेहूं की तुलाई नहीं हुई, तो वे परेशान होकर घर लौट गए।

परेशानी तब और बढ़ गई जब दूसरे दिन भी माल की तुलाई नहीं हुई। परेशान किसान आदित्य ने जब संबंधित व्यक्ति शिव सनोडिया को फोन लगाया और पूछा कि उनका माल अब तक क्यों नहीं तौला गया, तो आगे से जो जवाब मिला वह किसी भी स्वाभिमानी किसान का दिल दुखाने वाला था। आरोप है कि शिव सनोडिया ने अहंकार और बदतमीजी की सारी हदें पार करते हुए किसान से कहा, तुम अपनी औकात में रहो! अगर माल तुलवाना है, तो हमालों को अलग से 300 या 500 रुपये दो और अपना माल तुलवा लो। एक किसान जो अपनी फसल का सही दाम पाने आया है, उससे इस तरह खुलेआम अवैध पैसों की मांग करना मंडी के भीतर चल रहे भ्रष्टाचार को उजागर करता है।

रात 11 बजे शराब के नशे में तांडव, मंडी प्रशासन हमारे बाप का है...

मामला यहीं शांत नहीं हुआ, बल्कि 21 मई की रात को इसने एक बेहद खौफनाक मोड़ ले लिया। आरोप है कि रात के लगभग 11:00 बजे शिव सनोडिया और उसके साथी अभिलाष सनोडिया ने शराब का सेवन किया और पीड़ित किसान को फोन लगाकर सरेआम मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देना शुरू कर दिया।जब पीड़ित किसान आदित्य के पिता ने रात में घर पहुंचने पर इस गाली-गलौज का विरोध किया और फोन पर पूछा कि वे उनके बेटे के साथ ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं और माल क्यों नहीं तौल रहे हैं, तो आरोपियों ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दीं। आरोपियों ने फोन पर चीखते हुए कहा, मंडी प्रशासन हमारे बाप का है! जो उखाड़ना है उखाड़ लो, हम माल नहीं तौलेंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने पीड़ित परिवार को खुलेआम जान से मारने की धमकी देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो जनपद के सामने आकर मिल, नहीं तो कल से मंडी में अपनी शक्ल मत दिखाना, वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना।

मंडी अधिकारी की चेतावनी भी बेअसर, रसूख के आगे कानून बौना

आदित्य बघेल
पीड़ित किसान।

अभिलाष सनोडिया, व्यापारी : जिदंगी झंड,पैसे का घमंड।

शिव सनोडिया, व्यापारी : रसूख के दम पर किसान को दी धमकी।

व्यापारी की इस खुलेआम गुंडागर्दी और अवैध वसूली की शिकायत किसान आदित्य बघेल द्वारा तुरंत मंडी अधिकारी राकेश भारती से की गई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंडी अधिकारी राकेश भारती ने संबंधितों को फोन लगाया, उन्हें कड़ी समझाइश दी और दोटूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि आज माल की तुलाई नहीं की गई, तो तुम्हारी ट्रेडिंग आईडी लॉक (ब्लैकलिस्ट) कर दी जाएगी। आश्चर्य की बात यह है कि मंडी प्रशासन की इस सख्त चेतावनी का भी इन बेखौफ व्यापारियों पर कोई असर नहीं हुआ। प्रशासनिक आदेश को ठेंगे पर रखते हुए उन्होंने 21 मई को भी दिनभर किसान का माल नहीं तौला। यह साफ दर्शाता है कि मंडी के भीतर इन गुंडा प्रवृत्ति के व्यापारियों के हौसले कितने बुलंद हैं। क्या आरोपी शिव सनोडिया और अभिलाष सनोडिया के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए और ललित ट्रेडिंग का लाइसेंस निरस्त किया जाना न्याय सांगत होगा।

प्रशासन से सवाल

1. क्या सिमरिया मंडी में व्यापारियों का इतना खौफ है कि वे मंडी प्रशासन की आईडी लॉक करने की चेतावनी को भी हवा में उड़ा देते हैं?
2. कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले और 'मंडी प्रशासन हमारे बाप का है' जैसी भाषा का उपयोग करने वाले इन गुंडों पर पुलिस और जिला प्रशासन कब कार्रवाई करेगा?
3. क्या पीड़ित किसान आदित्य बघेल और उनके परिवार को न्याय मिलेगा, या रसूख के आगे इस मामले को भी दबा दिया जाएगा?

स्थानीय किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी शिव सनोडिया और अभिलाष सनोडिया के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया और ललित ट्रेडिंग का लाइसेंस निरस्त नहीं किया गया, तो वे सिमरिया मंडी के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और चक्काजाम करने के लिए बाध्य होंगे।

सौहार्द और सादगी के साथ सिवनी में मनाया ईद का पर्व

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

गंगा-जमुनी तहज़ीब और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए सिवनी जिले में ईद-उल-फितर का पवित्र त्योहार बेहद हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस मुबारक मौके पर मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाह और विभिन्न मस्जिदों में एकत्र होकर ईद की विशेष नमाज़ अदा की। नमाज़ के दौरान देश और दुनिया में अमन, चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए सामूहिक दुआएं मांगी गई।

नमाज़ संपन्न होने के बाद हर तरफ खुशियों का माहौल देखा गया। लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद मुबारक कहा और आपसी गिले-शिकवे भुलाकर भाईचारे का संदेश दिया। बड़ों ने छोटों को ईदी देकर अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया। इस पावन अवसर पर मुस्लिम भाइयों के घरों में लजीज पकवान और विशेष रूप से शीर-खुरमा बनाई गई, जिसका लुत्फ उठाने के लिए उनके हिंदू और अन्य समुदायों के मित्र भी पहुंचे। त्योहार के इस रंग ने शहर के सांप्रदायिक सौहार्द को और अधिक मजबूत किया।

प्रशासन की रही पुख्ता व्यवस्था

त्योहार को शांतिपूर्वक और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। ईदगाह और प्रमुख मस्जिदों के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल ने मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभाई, जिसके चलते कहीं भी यातायात या अन्य कोई असुविधा नहीं हुई। मुस्लिम समाज के वरिष्ठ जनों ने शांतिपूर्ण आयोजन के लिए प्रशासन और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

नेताओं और प्रबुद्ध जनों ने दी शुभकामनाएं

शहर के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने भी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को गले लगाकर ईद की शुभकामनाएं दीं। सभी ने कहा कि सिवनी हमेशा से ही आपसी प्रेम और सद्भाव की नगरी रही है, और आज का यह त्योहार इस बात का जीवंत प्रमाण है। कुल मिलाकर, सिवनी में ईद का यह पर्व खुशियों की सौगात और भाईचारे की एक नई मिसाल के साथ संपन्न हुआ।

बकरीद से पहले सिवनी पुलिस का बड़ा धमाका

हड्डी गोदाम के डेथ जोन पर छापा, 11 बेजुबान आजाद, कसाईयों के हथियार जब्त!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

आगामी बकरीद पर्व को देखते हुए सिवनी पुलिस ने गौवंश के दुश्मनों और अवैध कारोबारियों के खिलाफ अपनी तीसरी आंख खोल दी है। पुलिस कप्तान कृष्ण लालचंदानी के जीरो टॉलरेंस के कड़े अल्टीमेटम के बाद आज कोतवाली पुलिस ने नगर पालिका, राजस्व और पशु चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर हड्डी गोदाम क्षेत्र में चल रहे एक बड़े कत्लखाने का भंडाफोड़ कर दिया है।

मुखबिर की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी अपनी टीम के साथ हड्डी गोदाम स्थित टीपू सुल्तान चौक के पास पहुंचे। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने जब वहां दबिश दी, तो नजारा रोंगटे खड़े कर देने वाला था। अवैध रूप से संचालित इस बूचड़खाने में बेजुबान मवेशियों को बिना चारे-पानी के अत्यंत क्रूरता और बेरहमी के साथ ठूंस-ठूंस कर रखा गया था। कुछ मवेशी तो बीमारी से तड़प रहे थे, जिन्हें कसाई मौत के घाट उतारने की फिराक में थे।

कसाई खाना में कार्रवाई करती सिवनी पुलिस।

11 मवेशियों की बची जान, कटी हुई लकड़ियां और बका जब्त

पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए मौत के मुंह में समाने जा रहे 11 मवेशियों (पड़े) को कसाइयों के चंगुल से छुड़ाकर आज़ाद कराया। मौके से कसाईयों के खूंखार हथियार- भारी-भरकम धारदार बका, रस्सियां, खून से सनी लकड़ी की दूंठ और लोहे के मोटे एंगल बरामद किए गए हैं। नगर पालिका के वाहन से सभी बेजुबान जीवों को सुरक्षित गौशाला भिजवा दिया गया है, जहां उनका इलाज और पेट भरने का इंतजाम किया जा रहा है। वहीं, इस कृत्य के बाद नगर पालिका ने तत्काल एक्शन लेते हुए अवैध बूचड़खाने को हमेशा के लिए सील (शील) कर दिया है।

पिंजरे में आया अरबाज, पुलिस उगलवाएगी राज!

इस सनसनीखेज रेड के दौरान पुलिस ने मौके से 26 वर्षीय संदिग्ध अरबाज खान को धर दबोचा है। अरबाज इस वक्त पुलिस की गिरफ्त में है और कोतवाली पुलिस के तीखे सवालों का सामना कर रहा है। पुलिस सूत्रों की मानें तो अरबाज से अवैध मांस के इस काले कारोबार से जुड़े पूरे नेटवर्क और इसके आकाओं के बारे में सघन पूछताछ की जा रही है। मामले में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत संगीन धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है और बहुत जल्द कई और नामजद गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

मुखबिर बनो, इनाम पाओ, एसपी का खुला ऑफर

इस बड़ी कामयाबी के बाद पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा और एसडीओपी सचिन परते ने साफ कर दिया है कि जिले में गौवंश अपराध और अवैध कत्लखाने चलाने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा। एसपी ने आम जनता से अपील की है कि त्योहार के इस माहौल में कहीं भी अवैध पशु तस्करी या वध की भनक लगे, तो तुरंत डायल-112 पर सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा और उसे पांच हजार रुपये का नगद इनाम भी दिया जाएगा। इस पूरी जांबाज कार्रवाई को अंजाम देने वाले थाना प्रभारी सतीश तिवारी, उनकी टीम और सहयोगी विभागों की पूरे जिले में जमकर तारीफ हो रही है।

खेत के कुएं में करंट लगने से मजदूर की मौत

मोटर का कनेक्शन लगाते लगा झटका, मौके पर ही तोड़ा दम

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के धूमामाल गांव में गुरुवार शाम एक मजदूर की खेत के कुएं में काम करते समय करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना किंदरई थाना क्षेत्र में सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम धूमामाल निवासी 38 वर्षीय मुकेश तेकाम पुत्र अंतूलाल तेकाम गुरुवार शाम करीब 5 बजे खेत के कुएं में मजदूरी कर रहे थे। बताया गया है कि कुएं में लगी पानी की मोटर का विद्युत कनेक्शन जोड़ते समय अचानक बिजली प्रवाहित हो गई, जिससे मुकेश तेकाम करंट की चपेट में आ गए। करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मृतक के परिवार के सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे।

सूचना मिलने पर किंदरई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी जी.एस. राजपूत ने बताया कि शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

नौतपा के चौथे दिन 42.6 डिग्री तापमान :भीषण गर्मी से लोग हुए बेहाल

सिवनी। नौतपा के चौथे दिन बुधवार को भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सर्वाधिक तापमान है। न्यूनतम तापमान भी बढ़कर 28.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सूर्य की सीधी किरणें और गर्म हवाएं लोगों को लगातार परेशान कर रही हैं। भीषण गर्मी के कारण दोपहर के समय सड़कें और बाजार सूने दिखाई दिए।

विधायक ने शिव महापुराण कथा में लिया व्यासपीठ का आशीर्वाद

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने गुरुवार 28 मई को ग्राम पौंडी में आयोजित संगीतमय शिव महापुराण कथा में सम्मिलित होकर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने व्यासपीठ पर विराजमान कथावाचक महाराज को शाल व श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके साथ ही विधायक ने यज्ञशाला में विधि-विधान से आहुति डालकर क्षेत्रवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक दिनेश राय ने कहा कि धार्मिक आयोजन हमें अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण, माताएं-बहनें और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एडवोकेट हिमांशु चक्रवर्ती की माफीनामे से बदलापुर तक की पूरी इनसाइड स्टोरी!

दो नावों पर सवारी का खेल खत्म, तो शुरू हुआ ब्लैकमेलिंग का धंधा

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

फाइव स्टार फाइनेंस कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आग उगलने वाले एडवोकेट हिमांशु चक्रवर्ती के कथित मसीहा वाले चोले के पीछे छिपा असली सच बेहद चौंकाने वाला है। फाइनेंस कंपनी के एरिया मैनेजर से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा तमाशा जनहित के लिए नहीं, बल्कि नौकरी से निकाले जाने का व्यक्तिगत बदला है। दरअसल, हिमांशु चक्रवर्ती एक तरफ जिला न्यायालय में वकालत की प्रैक्टिस कर रहे थे और दूसरी तरफ फाइव स्टार फाइनेंस कंपनी में नौकरी कर दोहरा फायदा उठा रहे थे। दो नावों पर पैर रखने की इस लालची नीति के कारण जब वे कंपनी के काम को वक्त नहीं दे पाए और संस्थान का काम प्रभावित होने लगा, तो कंपनी ने नियमों के तहत नोटिस थमाकर उन्हें नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। बस, यही बात स्वघोषित कानूनविद के अहंकार को चुभ गई और उन्होंने कंपनी को बदनाम करने की यह ब्लैकमेलिंग स्क्रिप्ट लिख डाली।

हैरत की बात तो यह है कि नौकरी से निकाले जाने के बाद भी महाशय ने आज दिनांक तक कंपनी का सिम कार्ड और आईडी कार्ड अपने पास अवैध रूप से दबाकर रखा है, जो सीधे तौर पर अमानत में खयानत है। वकील साहब की इस तरह की ब्लैकमेलिंग की आदत कोई नई नहीं है। पूर्व में भी जब इन्होंने इसी तरह की ओछी हरकत की थी, तब कंपनी के कानूनी नोटिस के आगे इनके तेवर ढीले हो गए थे और इन्होंने बाकायदा ऑफिशियल ईमेल पर गिड़गिड़ाते हुए लिखित में माफी मांगी थी। आज वही माफीवीर वकील अपनी भड़ास निकालने के लिए गरीब डिफॉल्टरों के कंधे पर बंदूक रखकर चला रहा है। जो खुद कंपनी के नोटिस पर माफी मांग चुका हो, वो आज सोशल मीडिया पर कानून की धौंस दिखाकर सिर्फ और सिर्फ अपनी फजीहत का बदला ले रहा है, जिसे शहर की समझदार जनता बखूबी समझ चुकी है।

एरिया मैनेजर लेखराम लाडिया ने आगे बताया कि वर्तमान में वकालत कर रहे हिमांशु चक्रवर्ती वर्ष 2022-2023 में फाइनेंस कंपनी में कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने ग्राहकों की ईएमआई में भारी धांधली की थी। इस जालसाजी की लिखित और सबूतों सहित शिकायत ग्राहकों द्वारा कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद तत्कालीन थाना प्रभारी ने उन्हें लॉकअप में रखकर ग्राहकों के लेनदेन का हिसाब करने की समझाइश भी दी थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433